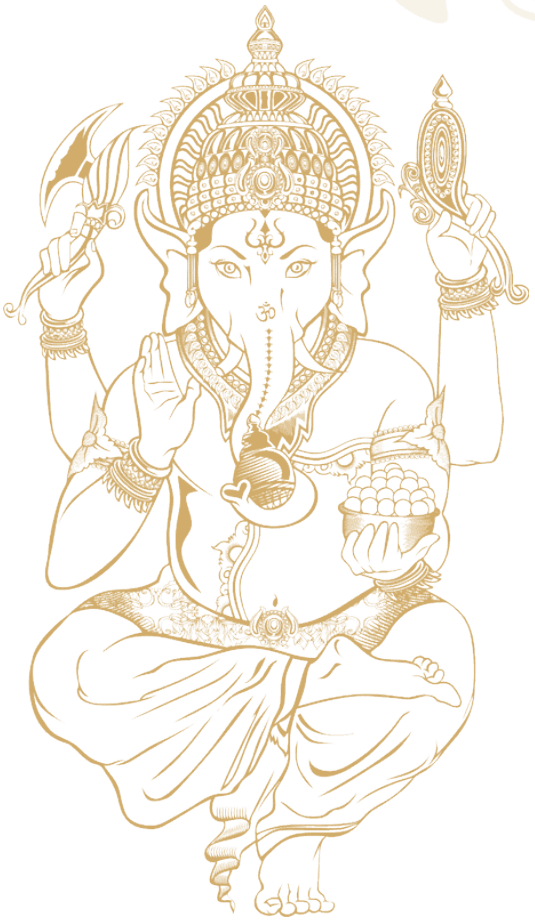

A

08 Aug 2000

09:00 AM

Jamui

Model: web-freekundliweb

Order No: 121747502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/08/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	09:19:37 घटी
स्थान	**Jamui**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:55:00 उत्तर
रेखांश	86:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:37 घंटे
साम्पातिक काल	06:22:41 घंटे
सूर्योदय	05:16:09 घंटे
सूर्यास्त	18:24:51 घंटे
दिनमान	13:08:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:02:07 कर्क
लग्न के अंश	11:16:43 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ब्रह्म
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नन्दिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:16:43	327:14:31	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			कर्क	22:02:07	00:57:31	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	04:36:48	12:12:28	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	10:43:13	00:38:41	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	नीच राशि
बुध			कर्क	07:46:36	01:49:37	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
गुरु			वृष	13:11:29	00:08:52	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	07:52:43	01:13:46	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:01:27	00:03:36	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु			कर्क	00:36:02	00:00:52	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु			मक	00:36:02	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:06:27	00:02:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:00:56	00:01:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:20:05	00:00:25	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	11:20:26	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:41

लग्न-चलित

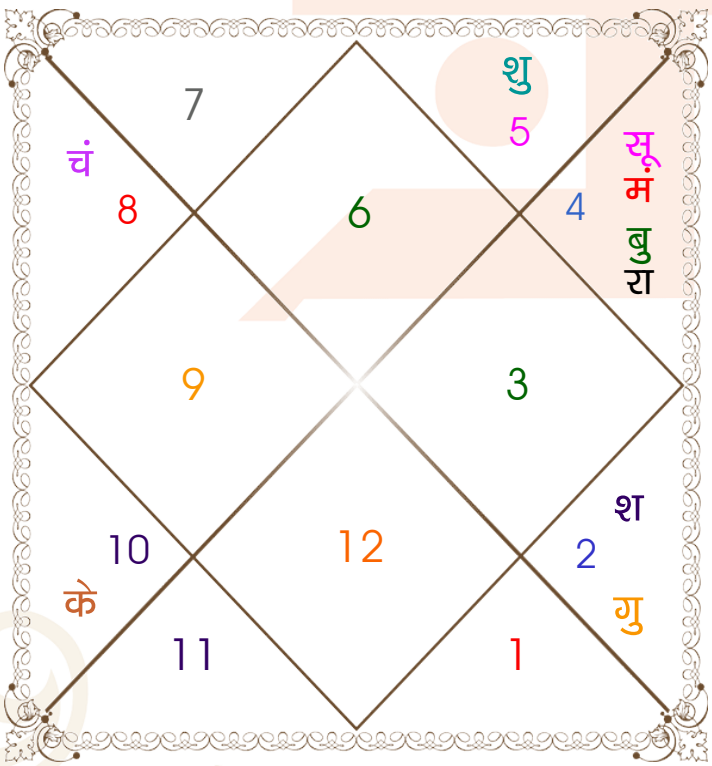

चन्द्र कुंडली

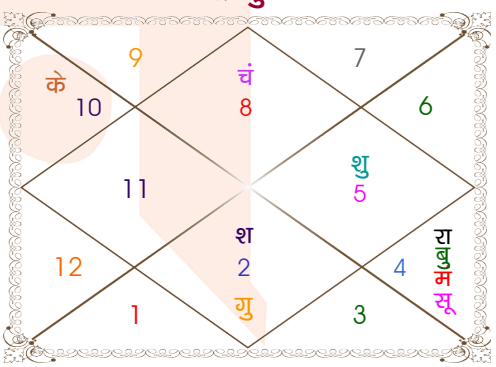

नवमांश कुंडली

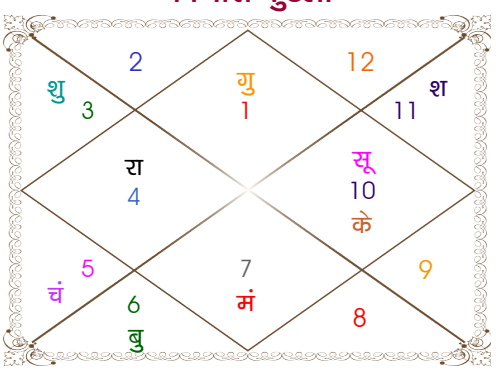

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 2 मास 3 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/08/2000		11/10/2017		12/10/2034		11/10/2041		11/10/2061	
11/10/2017		12/10/2034		11/10/2041		11/10/2061		12/10/2067	
शनि	14/10/2001	बुध	09/03/2020	केतु	10/03/2035	शुक्र	10/02/2045	सूर्य	29/01/2062
बुध	24/06/2004	केतु	06/03/2021	शुक्र	09/05/2036	सूर्य	10/02/2046	चंद्र	31/07/2062
केतु	02/08/2005	शुक्र	05/01/2024	सूर्य	14/09/2036	चंद्र	12/10/2047	मंगल	05/12/2062
शुक्र	02/10/2008	सूर्य	11/11/2024	चंद्र	15/04/2037	मंगल	11/12/2048	राहु	30/10/2063
सूर्य	14/09/2009	चंद्र	12/04/2026	मंगल	11/09/2037	राहु	12/12/2051	गुरु	17/08/2064
चंद्र	15/04/2011	मंगल	09/04/2027	राहु	30/09/2038	गुरु	12/08/2054	शनि	30/07/2065
मंगल	24/05/2012	राहु	27/10/2029	गुरु	05/09/2039	शनि	11/10/2057	बुध	06/06/2066
राहु	31/03/2015	गुरु	02/02/2032	शनि	14/10/2040	बुध	11/08/2060	केतु	12/10/2066
गुरु	11/10/2017	शनि	12/10/2034	बुध	11/10/2041	केतु	11/10/2061	शुक्र	12/10/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
12/10/2067		11/10/2077		11/10/2084		13/10/2102		13/10/2118	
11/10/2077		11/10/2084		13/10/2102		13/10/2118		00/00/0000	
चंद्र	11/08/2068	मंगल	10/03/2078	राहु	24/06/2087	गुरु	30/11/2104	शनि	09/08/2120
मंगल	12/03/2069	राहु	28/03/2079	गुरु	17/11/2089	शनि	13/06/2107		00/00/0000
राहु	11/09/2070	गुरु	03/03/2080	शनि	23/09/2092	बुध	18/09/2109		00/00/0000
गुरु	11/01/2072	शनि	12/04/2081	बुध	12/04/2095	केतु	25/08/2110		00/00/0000
शनि	12/08/2073	बुध	09/04/2082	केतु	30/04/2096	शुक्र	25/04/2113		00/00/0000
बुध	11/01/2075	केतु	05/09/2082	शुक्र	01/05/2099	सूर्य	11/02/2114		00/00/0000
केतु	12/08/2075	शुक्र	05/11/2083	सूर्य	25/03/2100	चंद्र	13/06/2115		00/00/0000
शुक्र	12/04/2077	सूर्य	12/03/2084	चंद्र	24/09/2101	मंगल	19/05/2116		00/00/0000
सूर्य	11/10/2077	चंद्र	11/10/2084	मंगल	13/10/2102	राहु	13/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।